भैरो बाबा

मां दुर्गा

श्री कल्कि बाल वाटिका

मासिक पत्रिका

हनुमान जी

गुरुवर लक्ष्मीनारायण जी

मास जून 2014, अंक 6 | घृणा पाप से करो पापी से नहीं—अज्ञात | मूल्य : 10 रुपए

आओ बताएं आज तुम्हें 5 वर्षों में

आजादी (1947) के बाद पहली बार संभल से हिंदुत्व समर्थक हिंदू नेता लोकसभा से 5 वर्ष के लिए निर्वाचित

अक्टूबर 2009 से मई 2014 तक भगवान श्री कल्कि की 54 मूर्तियों की स्थापना

5 2012-2014 में कांशी विश्वनाथ में भगवान श्री कल्कि की 5 मूर्तियों की स्थापना

रामावतार के 14 वर्षों के बनवास की भांति 14 दिनों में भगवान श्री कल्कि की चार दिशाओं में चार मूर्तियों की स्थापना

बैजनाथ धाम 19 जनवरी 2014

नैनीताल 14 जनवरी 2014

लखनऊ 17 जनवरी 2014

शामली 26 जनवरी 2014

श्री कल्किजी एवं

सिद्ध पीठों, शक्तिपीठों, ज्योतिर्लिंगों में भगवान श्री कल्कि की मूर्तियाँ लगवाईं

अप्रैल 2014 माह में भगवान श्री कल्कि की 8 मूर्तियों की स्थापना

47 दिनों में 2 ज्योतिर्लिंगों में भगवान श्री कल्कि की मूर्ति स्थापना

5 गुजरात से हिंदुत्व की रक्षा हेतु इलाहाबाद के बाद पहली बार वाराणसी (बनारस) ने (मूक प्रचारक) प्रधानमंत्री दिया-जिसने इलेक्शन के >

स्वप्नमयी गंगा महारानी ने क्या क्या कराया

> नतीजों के बाद अगले दिन 17 मई को गंगा माँ की पूजा अर्चना करके अपनी गल्ती का एहसास माना और उसी शाम और माँ गंगा की पवित्रता को पुनः स्थापित करने के लिए 500 करोड़ के पैकेज की घोषणा की

संभल में 68 सुप्त तीर्थ जाग्रत अभियान के दौरान माँ गंगा * योगमाया महारानी * की तरह अपना आभास दिलाना न भूलीं

(अगले अंक में)

कांशी विश्वनाथ अक्षयवटवृक्ष जहाँ सौभाग्यवती स्त्रियाँ अपने सुहाग की दीर्घायु की कामना करती हैं में भगवान श्री कल्कि 8 मार्च 2014 को विराजे

बैद्यनाथ धाम शंकर जी के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एकमात्र ऐसा ज्योतिर्लिंग है जहाँ शिव और शक्ति एक साथ विराजे हैं यहाँ भगवान श्री कल्कि19 जनवरी 2014 को वी.आइ.पी. लाउंज में विराजे

जनवरी 2013 में साई इंटरनैशनल ऑडोटोरियम में दो दिन का कल्कि महोत्सव जिसमें बालक-बालिकाओं, युवक-युवतियों ने सामूहिक भाग लिया मानो किसी राजा महाराजा के यहाँ विवाहोत्सव हो। जिसकी डी वी डी सभी जगह उपलब्ध है।

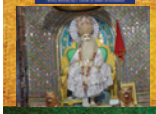

अग्रोहा धाम में महाराजा अग्रसेन के सामने महालक्ष्मी के बराबर लगभग 250 स्कवेयर फीट में महाविष्णु भगवान श्री कल्कि सपरिवार हनुमान जी, दुर्गा जी सहित विराजे

2012 में मानसिक अनुभव द्वारा संभल में श्री कल्कि ने यज्ञ शुरु करवाया। भीम नगर पड़े संभल के नाम को सदियों पुराने नाम का गौरव पुनः प्रदान करके उसे कस्बे से जिला बनवाया

निरंतर बनते जा रहे राजा रानियों द्वारा भगवान श्री कल्कि जी की मूर्तियों की शीघ्र प्राण प्रतिष्ठा की हम श्री चरणों में प्रार्थना करें

स्वप्नानुभव पुस्तिका में लिखे उपचारों प्रार्थनाओं ने कैसे झूठे पुलिस केस से निकाल कर घर वापिस भेजा

—सुश्री गरिमा चौधरी (9136130272)

हमारी हरियाणा में सोने-चांदी-हीरे की दुकान है। अप्रैल 2014 में हमारे पड़ोस की दुकान पर अचानक पुलिस को देखकर हमें घबराहट तो हुई, लेकिन मन में विश्वास था कि हमने ऐसा कोई काम तो किया नहीं है फिर डरने की क्या बात है?

अगले ही दिन पुलिस हमारी दुकान पर आ धमकी और हमें बताया गया कि हमारी बराबर वाली दुकान पर डकैती का माल बेचा गया है। वह तो फरार है जरूर आपका भी कोई न कोई संपर्क होगा। इसलिए आपको थाने चलना होगा। मेरे पति के तो मानो पैरों के नीचे से जमीन निकल गई। इन्होंने शाम को आने की बात कह कर यह जल्दी ही दुकान बंद करके घर आ गए हमने अपने कपड़े बैग में बांधे और कुछ दिन के लिए पास के ही रिश्तेदारों के यहाँ रहने पहुंच गए। हम बहुत घबरा गए थे, उधर पुलिस वालों के फोन पर फोन आ रहे थे।

स्वप्नानुभव एक संपदा ग्रंथ

दो दिन ही बीते थे कि परेशानी में मैं अपनी एक सहेली के घर जा पहुंची। वहाँ उन्होंने मुझे कल्कि भगवान के बारे में बताया और मुझे एक किताब और पीला कागज दिया। उस किताब का नाम था स्वप्नानुभव एक संपदा। मैंने घर आते ही उस किताब की कुछ आपबीतियां पढ़ी और उसमें दिए गए फोन नं पर बात करके अपनी समस्या बताई। उन्होंने मुझे 100 रू हाथ लगाकर भैंरो जी, काली जी, बगुलामुखी माँ, वासुकि जी और योगमाया जी के उपचार (20-20 रु प्रत्येक के) और 1-1-1 रु के तीन सिक्के हाथ लगाकर दुर्गा जी की 26 पूरी हलवे का उपचार तत्काल करने को कहा और प्रार्थना पृष्ठ संख्या 205-219 तक में से जिस देवी देवता का उपचार कर रहे हो उसकी प्रार्थना पढ़कर करने को कहा और साथ में जुड़वाया कि हमें इस झूठे पुलिस केस में फंसने से बचाइए। हमें शीघ्र अति शीघ्र अपने घर भेजिए। उन्हें फोन करने तक मैं कल्कि भगवान के महामंत्र की 21 माला कर चुकी थी। लेकिन घबराहट और डर मानो पीछा नहीं छोड़ रहे थे। इस पर उन्होंने कहा कि आप सबसे पहले मंदिर जाकर यह उपचार करके आइए और फिर 5 माला **—कल्कि जी ने किया है गुरु जी (हनुमान जी) ने किया है कल्कि जी करेंगे गुरु जी (हनुमान जी) करेंगे।** मैंने ऐसा ही किया। मैं और मेरा बेटा तभी मंदिर पहुंचे और यह उपचार किए। अभी हम अपने रिश्तेदार जिनके यहाँ पिछले दो दिन से रह रहे थे वहाँ पहुंचे भी नहीं थे कि रास्ते में ही मेरे पति का फोन आया कि पुलिस अधिकारी का फोन आया है कि आप चिंता न करें आपके ऊपर कोई बात नहीं आएगी, हम संभाल लेंगे। मेरे कानों को तो यह सुनकर विश्वास नहीं हुआ कि अब हम सकुशल अपने घर वापिस जा सकते हैं। कल्कि भगवान द्वारा प्रदान उपचारों के कारण हम दो दिन बाद अपने घर वापिस पहुंच गए।

अगले दिन मुझे स्वप्नानुभव में भगवान श्री कल्कि ने दिखाया कि हम सालासर जी की सवा मनी बोल कर भूले हुए हैं, जिसके कारण दैवीय शक्तियाँ रूष्ठ हैं। मेरे पति और बेटे के साथ मेरा विश्वास इतना जुड़ गया है कि हमने माँ दुर्गा के 26 पूरी हलवे के उपचार का 11 दिन का संकल्प लिया क्योंकि माँ दुर्गा मेरी ईष्ट हैं मेरा मानना है कि मेरी माँ ने ही मुझे कल्कि जी से मिलवाया इसी उपचार में मैंने सारी प्रार्थनाएं जोड़ दीं। कमाल यह हुआ कि 11 वें दिन के उपचार पूरे होते ही हमारा सालासर जाने का कार्यक्रम बना जहाँ हम सवामनी की बोल कबोल पूरी करके आए। सालासर जी जाने वाले दिन मुझे सुबह **स्वप्नानुभव आया कि दैवीय शक्तियाँ मेरे घर में आना चाह रही हैं और मैं उनके लिए भोजन की तैयारी कर रही हूँ।** भगवान श्री कल्कि के स्वप्नानुभवों के अनुसार और पिछले सालों में जो अनिष्ट हमारे साथ हो रहा था उसको सुनकर मुझे स्वप्नानुभव पैनल मैंबर ने बताया था कि आपके घर व दुकान की धरती भी सुप्तावस्था (सोई हुई) में हैं अत: हमने अब पहले दुकान पर व बाद में घर पर रूद्राभिषेक का संकल्प ले लिया है। जो पूजा पाठ मैं पहले करती थी वह वैसे ही चल रही है बस अब एक प्रार्थना जोड़ ली है हमें वैभवतापूर्वक सहपरिवार कल्कि जी के प्राकटय का प्रचार का संपूर्ण कार्य करना है।

पत्रिका में यह लेख देने वाले दिन मुझे सुबह यह स्वप्नानुभव आया— एक **14-15 साल का बहुत सुंदर नवयुवक** पुलिस स्टेशन पर पुलिस अधिकारी की सीट पर बड़े ही रौब से पैरों को मेज पर रखकर बैठा है और पुलिस वाले बड़ी ही दारूण अवस्था में उस युवक के सामने हाथ जोड़कर खड़े हैं। इस स्वप्नानुभव के अर्थ के उपचार में मुझे बताया कि आप कल्कि भगवान का धन्यवाद करें कि उन्होंने अपनी विशेष कृपा से आपको इस झूठे पुलिस केस से बाहर निकाला है। अब मैंने कल्कि जी के प्रचार हेतु यह संकल्प लिया है कि जो भी मुझे किसी परेशानी में दिखेगा मैं स्वप्नानुभव एक संपदा पुस्तक जिससे मुझे रास्ता मिला है यह किताब अपने संपर्क में आने वाले उस प्रत्येक व्यक्ति को कुछ पैसा लेकर दूंगी* जिन्हें रास्ता नहीं मिल रहा है।

मुझे कल्कि बाल वाटिका के अनुभव पैनल के सदस्यों की जिस बात ने सबसे ज्यादा जोड़ा वह है कि जब भी मैंने उनको धन्यवाद के लिए फोन किया तो उनका हमेशा कहना होता था कि आपको धन्यवाद करना है तो श्री हनुमान जी व कल्कि जी का करें हमारा नहीं। **जैसे आपको रास्ता मिला है वैसे ही हमें भी रास्ता मिला था।** हम आगे यही काम कर रहे हैं आप भी यही कीजिए। आजकल जबकि **ऐसे गुरुओं की भरमार है जो नारायण के चरणों से नहीं अपने चरणों में लोगों की प्रीती लगवा रहे हैं। ऐसे में इतना सरल रास्ता कि हनुमान जी को गुरु बनाकर कल्कि जी की आराधना करो और अपनी नियमित पूजा में कल्कि नाम का गंगाजल मिला लो भला मिलेगी ऐसी सरलता कहीं।**

** श्री गुरु जी ने कहा कल्कि जी का साहित्य फ्री में मत बांटना चाहे बदले में आटा चावल चीनी मंदिर में दिलवा देना*

स्वप्नानुभव एक संपदा ग्रंथ की विषय सूची का कमाल संकल्प लेते ही लॉकर की चाबी मिली

—सुश्री सीमा गुप्त (9899990463)

स्वप्नानुभव एक संपदा ग्रंथ

मुझे भगवान श्री कल्कि की स्वप्नानुभव एक संपदा पुस्तक मेरी जेठानी ने पढ़ने के लिए दी थी। मैंने यह पुस्तक कई बार पढ़ ली है और कुछ उपचार पितृों के निमित्त किए भी जिसका मुझे सकारात्मक फल मिला। एक दिन मैं पुस्तक का इंडेक्स देख रही थी तो मैंने अंदर पढ़ा **लॉकर की चाबी का मिलना।** पेज पलट कर देखा तो यह आपबीती अंदर मुझे जरा परेशानी से मिली।

मुझे बार बार ध्यान आने लगा कि मेरी मम्मी जो हिसार में रहती हैं, उनके बैंक के लॉकर की चाबी पिछले एक साल से नहीं मिल रही थी। इसकी वजह से वह काफी परेशान थी। मैंने सोचा कि कयों न यह आपबीति पढ़कर उन्हें उपचार बता दूं। मैंने कल्कि बाल वाटिका की सदस्या को फोन किया तो उन्होंने मुझे बताया कि आप 5 का सिक्का हाथ लगाकर हनुमान जी से प्रार्थना करें कि हे हनुमान जी आप हमारे गुरु हैं हमारी लॉकर की चाबी दिलवा दीजिए हमें कल्कि जी का काम करना है। मैंने ऐसा ही किया और अपने भाई को फोन करके यह संकल्प करने को कहा।

कमाल की बात यह है कि 18 अप्रैल 2014 को मैंने उन्हें फोन करके यह उपचार बताया है और 19 अप्रैल 2014 की सुबह सुबह मेरे भाई का फोन आ गया कि बहन मम्मी के बैंक की लॉकर की **चाबी तो संकल्प लेते ही मिल गई।** मैंने मम्मी को एक और उपचार धन्यवाद का करने को कहा।

संघर्ष करो संघर्ष

मैं तो पैदा ही अकाल मृत्यु के लिए हुआ था—कृष्ण

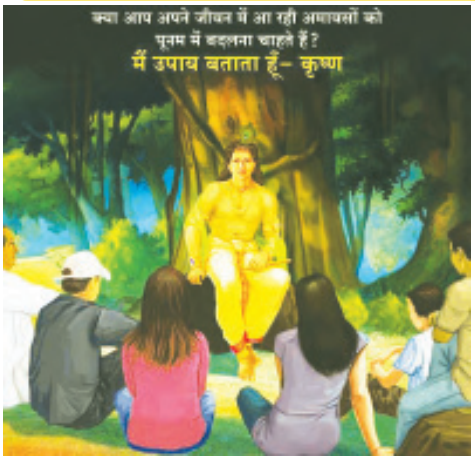

मैं तो पैदा ही मरने के लिए हो रहा था। क्योंकि मेरे पूर्व में जन्मे सात भाईबहनों को मेरा मामा कंस पहले ही मार चुका था। मुझे मारने हेतु वह मेरे जन्म लेने का इंतजार कर रहा था। मैं पैदा भी हुआ तो अमावस की काली रात को। फिर किसी तरह बचा लिया गया। तब भी मौत के साये ने मेरा पीछा नहीं छोड़ा। कभी मामा ने मुझे मारने हेतु पूतना और केशी जैसे राक्षस भेजे तो कभी मैं स्वयं कालिया और अरिष्ठ से भिड़ गया। कभी जान बचाने हेतु रण छोड़कर भागा तो कभी अपनी चालबाज रणनीतियों से जान बचाता रहा।

और आपसे क्या कहूँ मौत रूपी अमावस ने तो मेरा पीछा मरते दम तक नहीं छोड़ा। लेकिन कमाल यह कि इस सब के बावजूद जीवनभर मेरा कोई बाल बांका नहीं कर पाया क्योंकि मैंने स्वयं को **कान्हा से ''जय श्री कृष्ण'' के स्तर तक उठाया।**

बस मुझसे जीवन में आई **अमावसों को पूनम में बदलने की यह कला और क्षमता सीखने लायक है।**

आपने वे तो सीखी नहीं और जो मिले उसे जय श्री कृष्ण कहने लग गए। अरे भाई, **मेरी तो जय मेरे कर्मों से मैंने कर ही ली है,** वह आपके दोहराने से बढ़ने घटने वाली नहीं। फिर मेरी जय बोलने से आपको क्या फायदा? कोई इससे आपकी जय थोड़े ही हो जाने वाली है? आपकी जय तो मैंने अपने जीवन में आई अमावसों को कैसे पूनम में बदला, यह सीखने से ही हो सकती है। सो, मेरा जीवन पढ़ो व मुझसे सीखो। बाकी तो बिना कर्म करे जय श्री....कृष्ण कहते रहने वालों का मैंने क्या हाल कर दिया है, वह भी देख लो।

ॐ शब्द का नाद

—संकलनकर्ता (गौरव गर्ग) आभार : इंटरनेट फेसबुक

नासा ने वोएजर नाम से अपना एक मिशन अंतरिक्ष में रवाना किया था जिसका एक उद्देश्य उसके पूरे सफर के दौरान सुनाई देने वाली ब्रहांडीय आवाजों को रिकॉर्ड करके उनका विश्लेषण करना भी था। इस यान से प्राप्त हुई आवाजो की रिकार्डिंग को तीन वर्षों के अध्ययन के पश्चात् नासा ने ब्रहांड की रहस्यमयी आवाजों का विश्लेषण प्रस्तुत किया है—

हम लोग अर्थात् मनुष्य जाति केवल 20 से 20000 हर्टज तक ध्वनि सुनने की क्षमता रखते हैं। इससे ऊपर की फ्रीक्वेंसी की ध्वनि जो नासा ने सुनी उसको जब डिकोड किया गया तो जो ध्वनि सुनाई दी वह थी ऊँ.....

नासा ने इस ध्वनि को नाम दिया दि साऊंड ऑफ सन अर्थात् सूर्य की आवाज। और अब वो इस बात को जानने को व्याकुल हैं कि हिंदू धर्म में ऊँ शब्द का प्रादुर्भाव कहाँ से हुआ वो भी ईसा के जन्म से हजारों वर्ष पूर्व?????????

अगले अंक में.....ब्रह्माण्ड की भाषा संस्कृत है

यमुना तट पर सुप्त तीर्थ जागरण हेतु चलता फिरता श्री कल्कि जयंती महोत्सव

अब 8 जून रविवार 2014 को

सहस्त्रनाम यज्ञ कुंड

असंभव को संभव करने वाला संभल में होने वाला श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ 8 जून 2014 को इन्द्रप्रस्थ यमुना तट पर दो कुण्डीय यज्ञ संकीर्तन, सत्संग प्रात: 5 बजे से 8 बजे तक लघु भंडारे के रूप में है। स्थान: सागर में नैया डगमग डोले को सहारा देने वाली यमराज की बहन यमुना महारानी के घाट न० 10 पर (गीता भवन, इंडियन गैस एजेंसी के सामने जहाँ गाड़ी खड़ी करने की सुविधा है।)

यमुना तट पर श्री कल्कि सहस्त्रनाम - सत्संग - संकीर्तन प्रभारी

श्री राकेश-सुरभि अग्रवाल
मो० 9810654193

श्री अशोक-संजू गड़ोदिया
मो० 9810654193

कु० अक्षय (मिन्कू) गड़ोदिया
मो० 9312539397

आपके द्वारा किया जाने वाला दो कुण्डीय श्री कल्कि सहस्त्रनाम-बगलामुखी यज्ञ-संकीर्तन-भण्डारे का स्वयं संपूर्ण से भी ज्यादा फल चाहते हैं तो अपने हिस्से से भी ज्यादा सहयोग (सामान अथवा नगद रूपया) यमुना तीर्थ के लिये ऊपर लिखे तीन प्रभारियों में से किसी को भी एवं सम्भल गंगा तीर्थ के लिये सुश्री इंदु बंसल, श्री सुनील गुप्त (सुश्री सुषमा गुप्त के भाई) अथवा मामाजी को दे सकते हैं। संभल तीर्थ की तरह यमुना तीर्थ महोत्सव में आने जाने पर समय की कोई पाबंदी नहीं है। पहली आरती हवन के बाद एवं दूसरी आरती कीर्तन के बाद होगी। विशिष्ट जानकारी अथवा संतुष्ट न होने पर मामाजी 011-23973383

11 मई को यमुना जी के घाट पर सहस्त्रनाम करने के दो ही दिनों में नवभारत टाइम्स में छपी खबर

NBT नवभारत टाइम्स

* यमुना के दुश्मन होंगे सील *यमुना में जिन्होंने गंदगी फैलाई अब भरेंगे जुर्माना

* 2 दिनों में बंद होंगी यमुना को गंदा करने वाली यूनिट

यमुना जी की सफाई के लिए भारत सरकार के कदम

शहर की लाइफ लाइन यमुना की सफाई को लेकर दिल्ली के लैफ्टिनैंट गवर्नर श्री नजीब जंग बेहद संजीदा हैं। उन्होंने दिल्ली पॉल्यूशन कन्ट्रोल कमेटी और संबंधित विभागों को आदेश दे दिया है कि दो दिन के अंदर यमुना का प्रदूषित करने वाली यूनिट बंद कर दी जाएं। विभाग ने इसके लिए सर्वे भी कर लिया है। ऐसी यूनिटों के खिलाफ सीलिंग की कार्यवाही भी शुरू हो चुकी है। लैफ्टिनैंट गवर्नर श्री नजीब जंग का मानना है कि यमुना और गंगा सिर्फ नदी ही नहीं लोंगों की आस्था का प्रतीक है। इसलिए इसको जिंदा रखना बहुत जरूरी है।

देखा प्यारे बच्चों सहस्त्रनाम यज्ञ का कमाल जैसे संभल का नाम भीमनगर बदलकर भारत सरकार ने संभल किया वैसे ही यमुना तीर्थ जागरण अभियान से दिल्ली सरकार पुन: यह कदम सख्ती से उठा रही है।

भगवान श्री कल्कि 14 मई 2014 को कैराना, शामली के प्राचीन शिव मंदिर में विराजे

दंडी स्वामी भगवान श्री कल्कि की प्राण प्रतिष्ठा करते हुए

कैराना में श्री विनोद गुप्त (ऑरेंज कुर्ते में) यज्ञ कराते हुए

भगवान श्री कल्कि 18 मई 2014 को नोएडा सैक्टर-18 में रैडीसन होटल के सामने शिव मंदिर में विराजे

श्री अंकुर गुप्त सपरिवार भगवान श्री कल्कि को फलाधिवास कराते हुए

1947 की आजादी के बाद वाराणसी ने भारत को पहली बार प्रधानमंत्री दिया

प्यारे बच्चों महादेव की नगरी कांशी वाराणसी में जहाँ ब्रह्मा जी ने दस हजार वर्षों तक अश्वमेध यज्ञ किए थे यहीं माँ गंगा की विश्व प्रसिद्ध आरती प्रतिदिन शाम को होती है, जिसे देखने दूर दूर से पर्यटक आते हैं। इसी पावन नगरी में भगवान श्री कल्कि माँ कूष्माण्डा के मंदिर में 19 अक्टूबर 2012 को, शीतला माँ के मंदिर में 13 मई 2013 को , विन्ध्यवासिनी मंदिर में 12 मई 2013 को, खिचड़ी बाबा के मंदिर में 13 मई 2014 को और अचंभित किंतु सत्य 8 मार्च 2014 को कमाल हो गया जब भगवान श्री कल्कि कांशी विश्वनाथ में महज 66 फुट की दूरी पर महादेव के समीप उसी परिसर में अक्षय वट (जहाँ एक पैन ले जाना भी भीषण सुरक्षा के चलते कठिन कार्य है) वहाँ दो संहारकों के बीच कैसे कल्कि भगवान की विधिवत वेद मंत्रों सहित कांशी के विद्वानों द्वारा मूर्ति पूजा हुई।

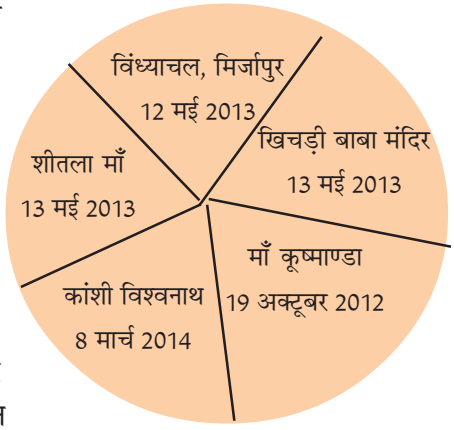

पहली बार कूष्माण्डा माँ के मंदिर में भगवान श्री कल्कि की मूर्ति की स्थापना हुई वहाँ की संपूर्ण व्यवस्था बनाने के लिए मामाजी ने जी-जान से बार बार अपने साथ नए नए बच्चों को ले जाकर एक नई नगरी में 250 कल्कि भक्तों को 17 अक्टूबर 2012 को एक साथ ले जाकर साथ भगवान श्री कल्कि की हनुमान जी के बराबर भव्य स्थापना की। उस पर कलियुग ने ऐसे बाजे बजाए कि मामाजी को अपनी पुरानी सोच को विश्राम देना पड़ा। भावुकता को दरकिनार करते हुए बदलाव लेना पड़ा। अत: 8 मार्च 2014 को कांशी विश्वनाथ में कोलकाता से महज 7 साथियों को लेकर श्री कल्कि जी की मूर्ति स्थापना करी। तब से मामाजी यही सोचते थे कि मुझ अदने से भगवान ने ऐसे कार्य क्यों करवाया?

तो प्यारे बच्चों यह है उसका रहस्य—हिंदू धर्म की स्थापना के लिए जिन महाविष्णु* को कल्कि अवतार लेकर 4,32,0000 वर्ष बाद आना था वह मात्र 5090 वर्ष में आने का मन बनाया है। आज दो संहारकों ने भी ऐसा मन बनाया कि हिंदूत्व को बल, सुरक्षा और मानसिक विकास के लिए उन्होंने गुजरात की तरह हिंदू को सिर उठाकर जीना रहना सिखाना चाहते हैं। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जिन्होंने विश्व के मानवाधिकार की परवाह नहीं की यहाँ तक मानवाधिकार की आड़ लेकर अमेंरिका तक ने नरेंद्र मोदी को अमरीका जाने का वीजा नहीं दिया था। वही गुजरात के मुख्यमंत्री लोकसभा की सीट के लिए 9 मार्च 2014 को अपना नाम बनारस में लोकसभा चुनावों में अपना नामांकन दर्ज करके गए। आज पहली बार 16 वीं लोकसभा में 16 मई को बनारस ने इलाहाबाद की तरह देश को प्रधानमंत्री दिया है।

* श्रीमद्भागवत दसम स्कन्ध—जब भगवान श्री कृष्ण अर्जुन के साथ जाकर जिन महाविष्णु को क्या क्या लीला का काम किया है बताया था और उनसे ब्राह्मण के मरे हुए पुत्र लेकर आए थे।

प्यारे बच्चों, अभी तक आपने मेरे साथ ही देखा कि किस तरह बार बार मां मेरे से रूठती थीं (जब मूर्ति हंसी योगमाया मंदिर में मूर्ति लगने का सन् 86 का लेख एवं मुंबई में महालक्ष्मी मंदिर में माँ से आंखे मिलने पर माँ का मुझे बार बार वहाँ बुलाना)

ऐसा ही बच्चों जाने अन्जाने में चीफ मिनिस्टर नरेन्द्र मोदी ने जिस दिन नॉमिनेशन भरा माँ गंगा को प्रणाम/ पूजा करना भूल गए। इस कारण उन्हें इलेक्शन के दौरान वाराणसी में भाषण देने की इजाजत नहीं मिली। क्योंकि वह संस्कारी हिंदू परिवार से है उन्हें अपनी गल्ती समझ आ गई।। उन्होंने माँ से आग्रह किया कि चुनाव नतीजे के बाद 17 मई को आपके दर्शनों के लिए आऊंगा। जिसका सीधा प्रसारण आशा है आप सभी ने अपने टी.वी. पर देखा होगा। अपने वादे को गंभीरता से निभाते हुए श्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान अपने साथियों के साथ बैठे हुए किसी से बात नहीं की। वह या तो नमन की मुद्रा में रहे या आरती के समय उंगलियों से आरती गाते/ बजाते रहे।

सत्संगमयी अनुभव गोष्ठी

दिनांक : शनिवार 14 जून एवं 5 जुलाई 2014
स्थान : एम.के. हाउस, सी-2/8 अशोक विहार फेज-2
दीप सिनेमा के सामने, नई दिल्ली-52
समय : दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक
संपर्क : श्री राकेश गोयल, सुश्री सुषमा गोयल (9899698240)
संचालिका- सुश्री इंदू बंसल (011-32448401)

दिनांक : शनिवार 14 जून एवं 12 जुलाई 2014
स्थान : जी-3 थर्ड फ्लोर,मित्रद्वीप अपार्टमेंट
पटपड़गंज दिल्ली-92
समय : दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक
संपर्क : श्री सुनील गर्ग, सुश्री संगीता गर्ग (9873349478)
संचालिका- सुश्री मेघना गोयल (913677829)

प्रार्थना करें भगवान श्री कल्कि की मूर्ति स्थापना की —1. बनखण्डी महादेव मंदिर, पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के सामने 2. न्यू फ्रैंडस कॉलोनी 3. संभल 4. करनाल 5. मोती बाग 6. कुल्लू के रघुनाथ मंदिर में जहाँ विश्व विख्यात कुल्लू का दशहरा मनाया जाता है 7. हनुमान गढ़ी, शामली, 8. दुर्गा माता मंदिर डी.यू. ब्लॉक, पीतमपुरा, दिल्ली 9. स्वर्गाश्रम, ऋषिकेश 10. कोलकाता, अलीपुर महादेव तालाब

जब मामाजी ने कोलकाता बाल वाटिका को सराहा

संरक्षिका- सुश्री इंदु बंसल 011-32448401 लिपिका- कु० आकांक्षा चौधरी मो०-0831072107

आपने फरवरी अंक में पढ़ा जब मामाजी ने कोलकाता बाल वाटिका को सराहा अब प्रस्तुत हैं अन्य कार्य—

5. कोलकाता मासिक पत्रिका

कल्कि जी की कृपा से कोलकाता मासिक पत्रिका 2013 से शुरु हुई। इस भव्य कार्य के लिए श्री वरुण चौधरी, कु०आकांक्षा चौधरी और श्री विनोद चौधरी का विशेष योगदान है। पत्रिका के वितरण हेतु मयंक चौधरी और कु०स्नेह गुप्त साधुवाद की पात्रा है।

6. सम्भल महात्तम पति व पुत्र को मौत से बचाने को श्री विशि चौधरी द्वारा यह प्रोजेक्ट शुरु किया गया था जिसमें श्री विनोद चौधरी और श्री वरुण चौधरी के सहयोग से सम्भल महात्तम एक नए रूप में प्रकाशित होना है। इस विशेष कार्य करने के लिए वे साधुवाद के पात्र हैं।

7. संकल्प व प्रार्थनाएं

स्वप्न अनुभव एक सम्पदा ग्रंथ में छपी श्री महावीर चौधरी द्वारा संयोजित- संकल्प एवं प्रार्थनाएं पृष्ठ 205 से पृष्ठ 220 अब सरल रूप में संकल्प और प्रार्थनाएं हमें उपलब्ध है। किसी परिस्थिति एवं अनुभव में किसका संकल्प करना है और किस प्रकार प्रार्थना करना यह बड़ा महत्तवपूर्ण होता है। इसी कार्य को पूरा किया है श्री महावीर चौधरी ने जिनका हम अभिवादन करते हैं जिन्होंने यह कार्य कर कल्कि समाज का मार्गदर्शन किया है। श्रीमति श्रुति सर्राफ ने भी इसमें अपना समय-समय पर विशेष सहयोग दिया है।

8. बच्चों की कार्यशाला एवं बाल वाटिका

कल्कि जी की कृपा से कोलकाता में बच्चों के कई बार कार्यशाला हुई जिसमें 5 से 20 साल तक के बच्चों ने भाग लिया और कल्कि जी की पूजा के साथ अन्य देवी-देवताओं के बारे में जाना। प्रति मास कल्कि बाल वाटिका के साथ बच्चों की बाल वाटिका भी हुई जिसमें कल्कि भक्तों के बच्चों ने अपने आप अलग रूप से हवन, माला, पूजा की। इन सभी सराहनीय कार्य के लिए कु०स्नेह गुप्त, सुश्री सविता चौधरी, सुश्री श्रुति सर्राफ, कु०अकांक्षा चौधरी और सुश्री श्रेया गोयल साधुवाद के पात्र है। हम सुश्री सोनम सिंघल और सुश्री सीमा केसरी को भी धन्यवाद करते हैं जिन्होंने अपने घर पर बच्चों की बाल वाटिका का आयोजन कर इस कार्य में सहयोग दिया।

बच्चों में संस्कार रोपण हेतु श्रीमति रश्मि गनेरीवाला ने संस्कृति शिविर शुरु किया और कई स्कूलों में जाकर बच्चों को सिखाया। दिल्ली में अपनी टीम के साथ मिलकर उन्होंने बच्चों का संस्कृति शिविर का आयोजन किया। इस कार्य में उनके सहयोगी रहे सुश्री श्रुति सर्राफ, सुश्री प्रतिभा अग्रवाल और कु०आकांक्षा चौधरी सभी साधुवाद की पात्रा हैं।

9. बच्चों की बाल वाटिका के लिए 1 साल का सुनियोजित कार्य करने का अनुशासित तरीका (करिकुलम)

श्रीमति श्रुति सर्राफ ने दिल्ली में हो रहे बच्चों की बाल वाटिका के लिए एक वर्ष का करिकुलम सुनियोजित ढंग से प्रदान किया है जिसमें बच्चों को कल्कि भगवान से भी जुड़कर सभी देवी-देवताओं के साथ-साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

10. बैनर्स और फलैक्सिस

बनारस के कुष्माण्डा माता के मन्दिर में जब कल्कि भगवान पर कार्यक्रम होने वाला था तब 4 घंटों के अन्दर श्रीमति श्रुति सर्राफ ने 10 से 15 फलैक्सिस तैयार कर तुरन्त ई मेल द्वारा भेजे। इसके अलावा भी उन्होंने कई फलैक्सिस और बैनर्स की डिसाईनिंग की जिसे श्री मयंक चौधरी और श्री महावीर चौधरी की चेष्टाओं से कोलकाता व दिल्ली में कई जगह लगाया गया।

11. गंगासागर में कल्कि जी का प्रचार

गंगा सागर-यह वह तीर्थ स्थल है जहाँ मां गंगा महासागर से मिलती हैं। हर साल मकर संक्राति में यहाँ मेला लगता है, जिसमें लाखों लोग आते हैं। विभिन्न संस्थाएं, यहाँ तीर्थ करने आए भक्तों की सेवा करती है। इसी मेले में कोलकाता के कल्कि भक्तों ने भी अपना योगदान दिया और साथ ही यहाँ कल्कि भगवान का प्रचार भी किया। सर्व प्रथम उद्घाटन के दिन प्रसिद्ध नेता और समाज सेवा कर्ताओं के सम्मुख कल्कि जी के बारे में भाषण (इंट्रोडेक्शन) कु०वरुण चौधरी ने दिया। सब जगह बैनर्स और फलैक्सिस लगाए गए। सम्पूर्ण भारत से आए अलग-अलग संस्थाओं के कार्य कर्ताओं में कल्कि जी का साहित्य (किट) बाँटा गया तथा उनके पते दिल्ली की बाल वाटिका को दिये गये जिन्हें सुश्री पूजा गुप्त अपनी मासिक पत्रिका भेजने वाली सूचि में चढ़ा कर पत्रिकाएं भेजीं। इस कार्य के लिए सुश्री रश्मि गनेरीवाला, कु०वरुण चौधरी, श्री विनोद चौधरी और श्री मयंक चौधरी साधुवाद के पात्र हैं।

12. कल्कि भगवान पर प्रदर्शनी

कोलकाता के एक विख्यात गोकुल बैंक्योंट में कल्कि भगवान पर प्रदर्शनी हुई। इस प्रदर्शनी में कल्कि भगवान का प्रचार किया गया। लोगों में पैम्फलेट, कॉपियाँ तथा श्री कल्कि चालीसा बाँटे गए। 100 किट जिसमें कल्कि भगवान की कॉपी, श्री कल्कि चालीसा, फोटो आदि चीजें थी वह भी सम्मानित लोगों को दिए गए। कोलकाता मासिक पत्रिका पाने हेतु बहुत लोगो ने अपने पते दिए। इस कार्य के लिए कु०स्नेहा गुप्त, कु०अकांक्षा चौधरी, कु०वरुण चौधरी ने विशेषकर काम किया। अन्य कल्कि भक्तों ने भी सहयोग दिया वह सब साधुवाद के पात्र हैं।

13. कल्कि सहस्त्रनाम का वर्गीकरण

मामाजी की चाहत के अनुरूप सुश्री इंदु बंसल और श्री महावीर चौधरी के निर्देशन में तथा सुश्री श्रुति सर्राफ के सहयोग से कल्कि सहस्त्रनाम के

मन्त्रों को उनके परिणाम के अनुसार अलग-अलग भागों में वर्गीकृत किया गया। अब भक्त अपनी समस्या के अनुसार कल्कि भगवान के मन्त्रों का हवन अथवा माला करके तदनानुसार प्रार्थना कर अपनी विभिन्न समस्याओं का समाधान पा सकते हैं।

14. श्रीमद् भागवत में कल्कि भगवान का प्रचार

पहली बार श्रीमद् भागवत के मंच में कल्कि भगवान का विशेष रूप से प्रचार हुआ। सुश्री सोनम सिंघल एक कल्कि भक्ता ने भागवत बचवाया (कार्यवाही) जिसमें उन्होंने प्रतिदिन कल्कि जी की आरती करवाई, हवन में कल्कि सहस्त्रनाम की 108 नामों की आहूतियाँ दी, मंच पर कल्कि जी के पोस्टर्स तथा बैनर्स लगवाए। आचार्य जी से बोलकर कल्कि भगवान तथा कलियुग के बारे में बचवाया (कथा कराई)। इसके अलावा जिस दिन भगवान विष्णु के कल्कि अवतार के बारे में बारहवें स्कंध के दूसरे अध्याय में कलियुग के धर्म विस्तार से बताए गए। उसी दिन श्री राजेन्द्र चौधरी ने मंच पर कल्कि भगवान पर अपने द्वारा लिखित लेख को सनातन धर्म के कल्याण हेतु अपनी शैली के अनुरूप पढ़ा तथा प्रतिभा अग्रवाल ने अपनी एक आपबीति बताई। सुश्री सविता चौधरी, कु०स्नेहा गुप्त तथा कु०आकांक्षा चौधरी ने प्रचार का काम किया।

15. सामूहिक सहस्त्रार्चन, बहु कुण्डय यज्ञ तथा सवा लाख ज्योत का आयोजन

कल्कि भगवान की कृपा से कोलकाता में सामूहिक सहस्त्रार्चन, बहु कुण्डय यज्ञ तथा सवा लाख ज्योत प्रज्वलित हुईं। सुश्री रश्मि गनेरीवाला के मन में आई इस युक्ति को कल्कि भगवान ने सुश्री श्रुति सर्राफ को अनुभव द्वारा अपनी स्वीकृति देकर यह कार्य करवाया। कोलकाता के भक्तों ने कल्कि जी का अभिषेक किया, फिर सहस्त्रार्चन, उसके बाद 30 कल्कि भक्तों ने 22 कुंडों में कल्कि भगवान के सहस्त्रनाम का हवन किया। इसी तरह कल्कि भगवान के सेना में जो सवा लाख भक्त होंगे उन सभी की तरफ से कल्कि भगवान का सहस्त्रनाम करते हुए सवा लाख ज्योत जलाए गए। इस कार्य के लिए हम श्रीमति रश्मि गनेरीवाला का पुन: साधुवाद करते हैं।

16. भगवान कल्कि के राईटिंग पैड एवं कॉपियाँ

कल्कि भगवान के निर्देशानुसार राईटिंग पैड और कॉपियाँ छपवाई गईं जिसमें कल्कि जी के बारे में जानकारी तथा उनकी पूजा करने की विधि बताई गई है। यह राईटिंग पैड और कॉपियाँ भक्तों में बाँटे गए तथा स्कूलों में बच्चों को उपहार के रूप में दिए गए। इस कार्य के लिए श्री वरुण चौधरी और सुश्री नेहा चौधरी साधुवाद के पात्र हैं।

हम श्रीमति इंदु बंसल (बुआ जी) और मामाजी का विशेष रूप से साधुवाद करते हैं जिन्होंने अपने सही मार्गदर्शन से यह सारे प्रोजेक्टों में सहयोग दिया। उनका योगदान इन सभी प्रोजेक्टों में कभी एक मार्गदर्शक, कभी कटु आलोचक तथा कभी एक प्रेरणा स्त्रोत के रूप में रहा। उनको हम सभी कोलकाता के कल्कि भक्तों की ओर से हार्दिक धन्यवाद करते हैं।

हम कल्कि भगवान से प्रार्थना करते हैं कि इसी तरह से हम पर अपनी कृपा बनाए रखें और हमसे इसी तरह से अपना काम करवाते रहे।

Like Kalki Group (Real)

गर्मी की छुट्टियो में तीन दिन की ड्राईंग प्रशिक्षण प्रतियोगिता में 2000 रुपये तक के पुरस्कार पाइये

गर्मियों की स्कूल की छुट्टियों में तीन दिन **13 , 14, 15 जून 2014** का कल्कि जी की मूर्ति में जयपूर से आए श्री जगदीश जी मूर्तिकार पेंटर द्वारा कल्कि जी की मूर्ति पर कलर बनाना व करना सिखायेंगे। प्रशिक्षण के बाद प्रतियोगिता में सफल बच्चों को अपनी पसंद के 2100 रुपये-1100 रूपये-500 रूपये तक के पुरस्कार स्वयं लाने की सुविधा होगी।

स्थान: श्री हनुमान जी-श्री कल्कि मंदिर-करोड़ीमल कॉलेज परिसर, छात्रा मार्ग, दिल्ली-7,

समय: 11 बजे से 4 बजे नाश्ते के कूपन वहीं मिलेंगे

प्रशिक्षण शिविर प्रभारी—

* सुश्री शलभ गोयल-9910066506 * सुश्री कनिका मोदी-9911352222
* सुश्री रमणी अग्रवाल- *9212216251 * सुश्री पूजा गुप्त-9811858723

संभल में श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ एवं संकीर्तन

27 जुलाई 2014 को माँ चामुंडा मंदिर हल्लू सराय में

संभल सहस्त्रनाम हवन में जाने हेतु ए.सी. बस की बुकिंग के लिए संपर्क करें सुश्री मुक्ता शर्मा—9811134378

कल्कि साहित्य समाप्ति के कगार पर

बन पड़े तो अपने शुभ के रुपयों में से सहयोग साहित्य प्रभारियों के पास भेजें

मेघना गोयल-916377829 पूजा गुप्त-9811858723
सुषमा गोयल-9899698240 रेनू बंसल-9818000004
रश्मि गुप्त-9711108050 मामाजी-9136377829

अगले अंको में.....

*** स्वप्नानुभव में बच्चों के संस्कारोंके प्रति कल्कि जी ने सावधान कर मेरा जिद्दीपन हटाया वरना.....**

सफलता का रहस्य

जिस प्रकार सूर्य के निकलते ही अंधकार दूर होता है, इसी प्रकार भक्त यदि कल्कि जी का बैच लगाते हैं तो राक्षसी व दुष्ट शक्तियाँ दूर होती हैं। विदेशों में मामाजी ने जितना सफर किया गुरुदेव का बैच लगाकर किया।

क्या आप भी राजा रानी बनना चाहते हैं?

तो आएं अन्य राजा रानियों की तरह आप भी ऐसे चमत्कारी महाविष्णु भगवान श्री कल्कि की मूर्ति लगाने का विचार बनाइए और पाइए अन्य राजा रानियों की तरह अपने जीवन में भी प्रतिदिन बदलाव।

Registered with the Registrar of Newspaper for India under Licence No. Delhi-N/2005/15596 Postal D. No. DL (DG)-11/8061/2012-2014

1 से 8 तक | 25 ग्राम | जून 2014 | मूल्य 10 रु

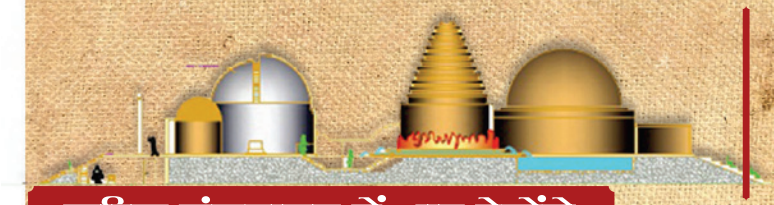

अंधा है वह दिवस जहाँ आदित्य नहीं है
अंधा है वह धर्म जिसमें साहित्य नहीं है

कल्कि संग्रहालय में आप देखेंगे

*भारत भूमि पर हमारा जन्म हमारे सौभाग्य की गाथा गाता है * भारत भूमि श्री हरि नारायण की भूमि है * भगवान विष्णु के दशावतार * अभी कल्कि क्यों? * कलियुग के लक्षण * कल्कि जी ने अवतार क्यों लिया? * हनुमान जी/रामकृष्ण परमहंस हमारे गुरु क्यों? * प्राचीन भारत एवं आधुनिक भारत में अंतर * कल्कि जी की पुकार क्यों करें? * कल्कि जी की स्वप्नानुभव लीला * कल्कि की पुकार ही सार है * कल्कि जी की भक्ति कैसे करें? * कल्कि जी का प्रचार कैसे करें? * धर्म/भक्ति/ज्ञान और कल्कि * श्री कल्कि साहित्य*

ऑडियो सी.डी.

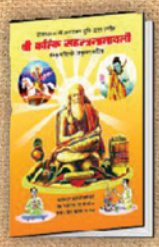

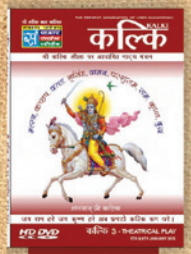

डी.वी.डी.

यू.एस.बी. | पैन ड्राइव

मंत्र बॉक्स

श्री कल्कि जी का शुभ का खजाना

अपनी आमदनी में से कम से कम एक प्रतिशत अधिक से अधिक दस प्रतिशत रुपया भगवान श्री कल्कि के शुभ के खजाने में डालें।

इस खजाने को कहाँ लगाएं?—श्री कल्कि बाल वाटिका की संस्कार रोपण कार्यशालाओं, श्री कल्कि जी के हवनों, सत्संग, कल्कि जी के उपचारों में, कल्कि जी के महोत्सवों-कीर्तन, अनुभव गोष्ठी, मूर्ति स्थापना, शोभा यात्रा, कल्कि जी के उत्सवों में आने जाने मे, कल्कि जी के आगामी बनने वाले संग्रहालयों में एवं कल्कि जी के अन्य प्रचार के कार्यों में लगाएं। साहित्य में कम से कम 25 से 30 प्रतिशत अवश्य लगाएं, इससे आपके घर एवं व्यापार के प्रगति के मार्ग योजनाबद्ध तरीके से खुलते चले जाएंगे।

श्री कल्कि बाल वाटिका संस्कार रोपण कार्यशालाएं

*** दिल्ली विश्वविद्यालय* नोएडा * पंजाबी बाग * पटपड़गंज * गगन विहार * यमुना विहार * महावीर नगर * ग्रीन पार्क**

विंध्याचल में कल्कि मूर्ति स्थापना के बाद श्री कल्कि जी के श्री कल्कि धाम की ओर बढ़ते कदम जहाँ साधु संत आवागमन हवन, भजन, कीर्तन आगंतुको के ठहरने के लिए बहुत उचित मूल्य पर सात्विक भोजन की व्यवस्था, कल्कि जी के प्रचार-प्रसार का कार्य निरंतर चलेगा।

श्री कल्कि बाल वाटिका

के सदस्य बनने हेतु सम्पर्क करें—

☎ 9312533445, 9136377829, 9811858723

न करने का न करवाने का झंझट बस फोन करते रहें जब तक काम पूरा न हो मंदिरों में भगवान श्री कल्कि जी की मूर्ति, पोशाक, लाईट प्रभारी : हर्षित गुप्ता, (मनु) 9999885277) अंकित गड़ौदिया (9968154304) राहुल अग्रवाल (9891879718) अलका गोयल (9811281271)

❖पालनपुर ❖देहरादून ❖असरोही ❖कोलकाता ❖चेन्नई
1903/3, पहली मंजिल, चाँदनी चौक, दिल्ली-110006 सम्पर्क : 23886646, 23866661
हाउस नं. 4116, कसेरू वालान, पहाड़गंज, नई दिल्ली-55, सम्पर्क : 23587079
सी 0-2/16, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-110035
कॉलेज कम्पाउन्ड, गीता सोसाईटी, पालनपुर : 385001, गुजरात, सम्पर्क : 02742-258068, 09824968440
जी 97, नेहरु कालोनी, देहरादून (उत्तरांचल), सम्पर्क : 0135-2671643, 09837343560
2 नम्बर, हाईट रोड, लिलुआ, हावड़ा-711204 (कोलकाता)
आभार/Ack.: श्री कल्कि पुराण, ऋग वेद, ऋषि प्रसाद, स्वामी राम सुखदास, नवभारत टाइम्स
योगेश प्रकाश गुप्ता, दिल्ली द्वारा प्रकाशित व अन्य बालकों के ज्ञानवर्धन हेतु
प्रिंटर्स : शिवानी ऑफसैट, ए-36 नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (यू.पी.)
पारस प्रिंटिंग प्रैस, पटपड़गंज, नई दिल्ली